राष्ट्रीय
सहारा
राष्ट्रीयता ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण

■ देहरादून ■ नई दिल्ली ■ लखनऊ ■ गोरखपुर
■ पटना ■ कानपुर ■ वाराणसी से प्रकाशित

देहरादून
शनिवार • 19 जून • 2021
पृष्ठ 12+4 (हस्तक्षेप), वर्ष-14, अंक 4935, मूल्य ₹ 3.00

किसानों को दी विभिन्न जानकारी

उत्तरकाशी/एसएनबी। विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद) के जिले में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र चिन्यालीसौड़ में भारत अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत उर्वरकों का संतुलित प्रयोग विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के किसानों को मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरकों के संतुलित प्रयोग से जुड़ी जानकारी प्रदान की गई।

कृषि विज्ञान केंद्र चिन्यालीसौड़ में भारत अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन गोष्ठी

कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डा. चित्रांगद सिंह राघव ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य एवं पोषक तत्वों के महत्व के बारे जानकारी दी। केन्द्र के उद्यान विशेषज्ञ डा. पंकज नौटियाल ने किसानों को ड्रिप फर्टिगेशन के उपयोग और पौधों के लिए जल की उपलब्धता के विभिन्न तरीकों के बारे में जानकारी दी।

केंद्र के कृषि प्रसार विशेषज्ञ डा. गौरव पपनै ने गोष्ठी का संचालन करते हुए जैविक उर्वरक, वर्मी कम्पोस्ट, वर्मी बेड के बारे में जानकारी दी। केंद्र के वरुण सुप्याल ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से किसानों को मृदा स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न जानकारी दी। इस मौके पर मुख्य उद्यान अधिकारी डा. रजनीश सिंह, डीडीएम नाबार्ड गुरविंदर सिंह अहूजा, अध्यक्ष रेडक्रास सोसाइटी अजय पुरी, प्रगतिशील कृषक जगमोहन राणा, सचिन पंवार, मोहन सिंह राणा, नीरज जोशी, रोहिणी खोब्रागडे, ख्याली राम, रीतिका भास्कर आदि थे।